**भारत सरकार**

**विद्युत मंत्रालय**

**....**

**राज्य सभा**

**तारांकित प्रश्न संख्या-18**

**जिसका उत्तर** 24 नवंबर**, 2014 को दिया जाना है ।**

**विद्युत पारेषण प्रणाली की खराब हालत**

**\*18. डॉ. प्रदीप कुमार बालमुचूः**

क्या **विद्युत** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या यह सच है कि देश में विद्युत पारेषण प्रणाली खराब हालत में है और इसे दुरुस्त करने की आवश्यकता है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ग) प्रणाली को दुरुस्त करने के लिए सरकार द्वारा क्या-क्या कदम उठाए जा रहे हैं?

**उत्तर**

**विद्युत, कोयला एवं नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)**

**(श्री पीयूष गोयल)**

**(क) से (ग) :** विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

\*\*\*\*\*\*\*\*

**विवरण**

**"विद्युत पारेषण प्रणाली की खराब हालत" के बारे में राज्य सभा में दिनांक 24.11.2014 को उत्तरार्थ तारांकित प्रश्न संख्या 18 के भाग (क) से (ग) के उत्तर में उल्लिखित विवरण।**

\*\*\*\*\*\*\*\*

**(क) और (ख) :** जी नहीं । देश में काफी बड़ी एवं सुदृढ़ पारेषण प्रणाली है । इसमें अक्टूबर, 2014 तक 220 केवी की लगभग 3,03,051 सर्किट किलोमीटर (सीकेएम) और इससे अधिक के स्तर की पारेषण लाइनें तथा लगभग 5,65,905 एमवीए (मेगावोल्ट एम्पियर) की ट्रांसफॉर्मेशन क्षमता थी। सभी क्षेत्रीय ग्रिड अर्थात उत्तरी क्षेत्र, पश्चिमी क्षेत्र, पूर्वी क्षेत्र, उत्तर-पूर्वी क्षेत्र और दक्षिणी क्षेत्र आपस में जुड़े हुए हैं और समकालिक रूप से प्रचालित हो रहे हैं।

**(ग) :** विद्युत की मांग में वृद्धि और उत्पादन क्षमता के अनुरूप ग्रिड का सुदृढ़ीकरण और विस्तार एक सतत प्रक्रिया है। 12वीं याजना के दौरान, 1,07,440 सीकेएम की पारेषण लाइनों का निर्माण करने और 2,82,750 एमवीए की रूपांतरण क्षमता तैयार करने का लक्ष्य रखा गया है। इस लक्ष्य की तुलना में, 46,593 सीकेएम की पारेषण लाइनें और 1,59,847 एमवीए की ट्रांसफॉर्मेशन क्षमता पहले ही चालू कर दी गई है।

\*\*\*\*\*\*\*\*\*